सत्यमेव जयते

न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:— 2025/48 दर्ज तिथिः— 07.02.2025

1. भाखराराम पुत्र फूसाराम
2. आसूराम पुत्र फूसाराम
3. लाडूराम पुत्र फूसाराम

जाति विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाडमेर

...........प्रार्थीगण

<u>बनाम</u>

1. खंगाराराम पुत्र लुंभाराम
2. दलू पुत्र लुभाराम
3. देरामाराम पुत्र विरधा
4. श्रवण पुत्र विरधा
5. झमकू पत्नी विरधा
6. बाबू देवी पत्नी कोजाराम
7. भूराराम पुत्र लाधूराम

जातियान विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

8. अमलू पुत्र खीया
9. लाधू पुत्र खीया
10. माडू पत्नी खीया
11. केसा पुत्र सोना
12. पुरखा पुत्र सोना
13. प्रतापा पुत्र सोना
14. गगा पत्नी फगलू
15. हेमाराम पुत्र फगलू
16. लाधू पुत्र धापू

जातियान विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा

17. जैकन पुत्र रामकेन
18. धुडी पत्नी रामकेन

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.08 09:29:38 IST
Reason: SelfAttested

19. धोकला पुत्र रामकेन
20. भगवाना पुत्र रामकेन
21. भेरा पुत्र रामकेन
    जातियान विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।
22. मोहनी पत्नी देरामाराम
    जाति विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।
23. धीमाराम पुत्र कानाराम
24. मंगलाराम पुत्र कानाराम
    जातियान विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।
25. कालूराम पुत्र ठाकराराम
26. भीयाराम पुत्र ठाकराराम
27. सोनाराम पुत्र ठाकराराम
    जाति विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।
28. केहरी पत्नी वगता
29. हरिकिशन पुत्र वगता
    जाति विश्नोई निवासी खिचड़ो का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

............असल अप्रार्थीगण

30. तहसीलदार नोखड़ा जिला बाड़मेर।

.................तकमीली अप्रार्थीगण

न्यायालय कलक्टर/अध्यक्ष अधिकारी
सत्यमेव जयते
गुढ़ामालानी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः— श्री रामजीवन विश्नोई
अप्रार्थीगणः— श्री भाखराराम गोदाराम

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः— 07.07.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 890/816/0.3966 है0, 891/816/1.5135 है0, 893/751/0.4451 वाके ग्राम खिचड़ो का वास पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.08 09:29:38 IST
Reason: SelfAttested

खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया। जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 25.10.2024 की पालना में दिनांक 28.10.2024 को खसरा संख्या 890 / 816 / 0.3966 है0, 891 / 816 / 1.5135 है0, 893 / 751 / 0.4451 वाके ग्राम खिचड़ो का वास पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर का पटवारी हल्का द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की पत्थरगढ़ी दिनांक 28.10.2024 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। असल अप्रार्थीगण संख्या 1, 2, 9, 11, 16 के अतिरिक्त समस्त असल अप्रार्थीगण विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण अप्रार्थीगण के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। असल अप्रार्थीगण संख्या 1, 2, 9, 11, 16 असालतन—वकालतन हाजिर न्यायालय हुए।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 28.10.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। दौराने बहस अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा अप्रार्थीगण की आराजी को छोड़ते हुए नेखमबंदी करने पर सहमति जाहिर की।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries.—****(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the*

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.08 09:29:38 IST
Reason: SelfAttested

<u>party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.</u>

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes. -*** *All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> *Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075—2078 में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 28.10.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 890/816/0.3966 है0, 891/816/1.5135 है0, 893/751/0.4451 वाके ग्राम खिचड़ो का वास पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढ़ी

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.08 09:29:38 IST
Reason: SelfAttested

कर सीमा निर्धारण किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 07.07.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

न्यायालय सहायक कलक्टर/उपखंड अधिकारी
सत्यमेव जयते
गुढ़ामालानी

(केशव कुमार मीनाआर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.08 09:29:38 IST
Reason: SelfAttested